सियारामशरण गुप्त रचनावली

सम्पादकः ललित शुक्ल

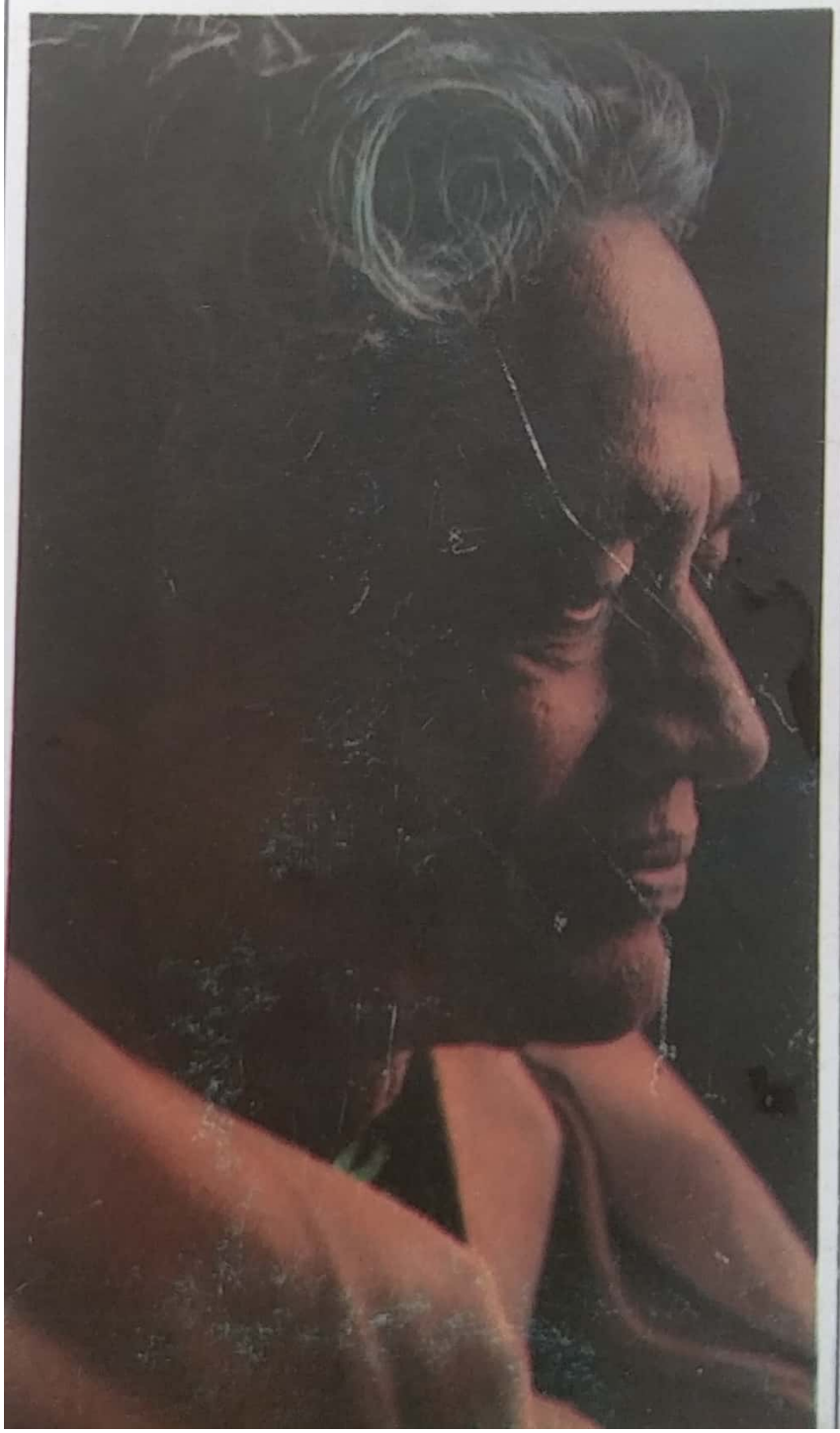

Scanned with OKEN Scanner

सियारामशरण गुप्त रचनावली

सम्पादकः ललित शुक्ल

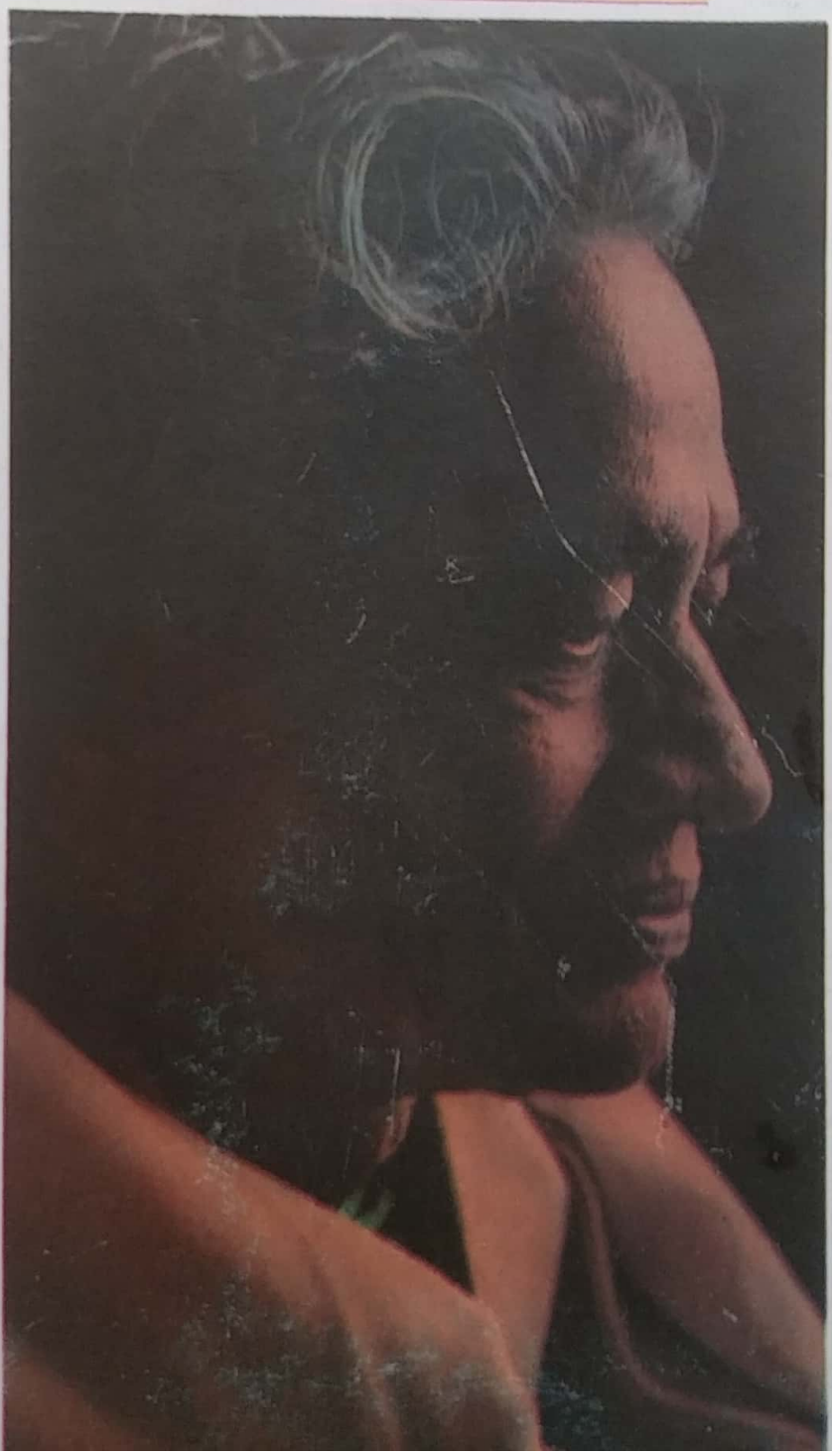

Scanned with OKEN Scanner

सियारामशरण गुप्त रचनावली

5

Scanned with OKEN Scanner

सियारामशरण गुप्त रचनावली ॥

सम्पादक : ललित शुक्ल

खण्ड पाँच

[पत्रावली]

Scanned with OKEN Scanner

ISBN—81-7016-091-X

कापीराइट एवं प्रकाशक : साहित्य सदन, झाँसी

एकमात्र वितरक
किताबघर
24/4866, अंसारी रोड
दरियागंज, नयी दिल्ली-110002

प्रथम संस्करण
1992

मूल्य
एक हज़ार रुपये (पाँच खंड)

मुद्रक
चोपड़ा प्रिंटर्स
शाहदरा, दिल्ली-110032

SIARAM SHARAN GUPT RACHANAWALI (Hindi)
Edited by Lalit Shukla
Price : Rs. 1,000.00 (Five Volumes)

Scanned with OKEN Scanner

सियारामशरण गुप्त रचनावली

आर ऐसे न उठो य–
तुम चिरन्तन सारथी ये हँस रहे,
रास है रथ की तुम्हारे हाथ में।
पास हूँ मैं, दे रहे उद्बोध तुम!
तो वही उद्बोध फिर से सुन सकूँ –
"छोड़कर सब धर्म आ मेरे शरण,
सर्व पाप विमुक्त कर दूँगा तुझे!"
कह सकूँ सुनकर असंशित–हे हरे!
जो कहा तुमने, करूँगा मैं वही।

– सियारामशरण गुप्त